(21)

उंगलियाँ चमकाना	बातचीत या लड़ाई करते समय हाथ और उंगलियों को हिलाना।
उंगलियाँ नचाना	बातचीत या लड़ाई करते समय हाथ की उंगलियों को हिलाना या मटकाना। उंगलियाँ चमकाना।
उंगलियाँ फोड़ना	उंगलियों को इस प्रकार खींचना या दबाना कि उनमें से चट-चट शब्द निकले। उंगलियां चटकाना।
उंगलियों पर नचाना	जैसे चाहे वैसे काम कराना। अपने वश में रखना। तंग करना। हैरान करना। अपनी इच्छा के अनुसार ले चलना। उ॰ बड़े साहब को उंगलियों पर नचाओ। मनमानी दौड़ धूप कराना।
उंगलियों पर नाचना	किसी की इच्छानुसार सब प्रकार का कार्य करना।

(किसी पर या किसी की ओर) उंगली उठना	लोगों की निंदा करना। बदनामी करना। उपहास का पात्र बनाना।
(किसी पर या किसी ओर) उंगली उठाना	निंदा का लक्ष्य बनाना। लांछित करना। दोषी बताना। हानि पहुंचाना। टेढ़ी नज़र से देखना। बदनाम करना।

न होने देना।बारामक

सींचना या दबाना

निकले।शाप देना।

पर कुपित होती हैं तब

र उंगलियां चटकाती हैं

देती हैं कि तेरे बेटे मैं

उंगली चमकाना

कार्य में हाथ डालना।विनाश का

हु के मुंह आंगुरि है

थोर

प्राप्ति के लि

उंगली पकड़ते पहुंचा पकड़ना- थोड़ा सा सहारा पाकर विशेष की प्राप्ति के लिए उत्साहित होना। थोड़े मौके का अनुचित और अधिक लाभ उठाना। किसी की भलमनसी का अनुचित लाभ उठाना।

92 — Skip Pw

उँगली पर नचाना - इच्छानुसार काम करवाना। जैसे चाहे वैसे करना। किसी से अपनी इच्छानुसार काम लेना।

(किसी की कृति पर) उँगली रखना - दोष दिखलाना। उ० मेरा आपकी कविता पर कोई उँगली रख सकता है। नाम-मात्र

उँगली लगाना - छूना। किसी कार्य में (हाथ लगाना) किसी कार्य में योग भी परिश्रम करना।

302 उखड़ी उखड़ी बातें करना - बेलौस (बेमुरव्वत) बातें करना। उदासीनता दिखाते हुए बात करना। विरक्ति-सूचक बात करना।

उखड़ी जबान से - अस्पष्ट वाणी से

302 उखड़ी पुखड़ी सुनाना - ऊँचा नीचा सुनाना। उड़ बड़ सुनाना।

उखाड़ पछाड़ - अदला बदला। इधर का उधर। उलटपलट। इधर की उधर लगाना।

उखाड़ पछाड़ करना - आलोचना करना।

उखाड़ी उखाड़ना —

उगल देना - गुप्त बात को प्रकट कर देना।

302 उगल पड़ना - तलवार का म्यान से बाहर निकल पड़ना।

308 उघड़ नाचना - बाहर निकलना। लोकलज्जा छोड़कर खुल्लमखुल्ला मनमाना काम करना। उ० आजु हौं एक एक करि टरिहौं। अब हौं उघरि नचन चाहत हौं तुमहि बिरद बिनु करिहौं। सूर।

(ख) गोपी स्याम रंग राची। देह गेह सुधि बिसारि बढ़ी प्रीति साँची। दुविधा उर दूर भई गई माते बह काँची। राधा ते बिबस भई आप उघरि नाची। सूर।

उघड़ पड़ना - खुल पड़ना। अपने असली रूप को खोल देना। भेद प्रकट कर देना।

उधाड़ करना - किसी दवा का छाले डालना। या वहाँ की खाल उड़ाना।

उच्च के चन्द्रमा होना - सौभाग्य और उन्नति के दिन।

उछंग लेना	आलिंगन करना।हृदय से लगाना।उ०- हो हो हो प्रिय नृत्य करो।जैसे करि मैं तुमहिं रिफ्ाइं त्यों मेरो मन तुमहु हरो।------ मैं हारी त्योंही तुम हारो चरन चापि श्रम मेटोंगी।सूर स्याम ज्यों उछंग लई मोहिं त्यों मैं हूं हंसि मेटोंगी। सूर ।
उछल कूद करना	आवेग और उत्साह दिखाना।बढ़ बढ़कर बातें करना।
उजरत पर देना	किराये पर देना।भाड़े पर देना।
उजला मुंह करना	गौरान्वित करना।महत्व बढ़ाना।गौरव बढ़ाना।कलंक मिटाना।
उजला मुंह होना	गौरान्वित होना।निष्कलंक होना।
उजली समझ	उज्ज्वल बुद्धि।स्वच्छ विचार।
उजाला होना	दिन निकलना।सबेरा होना।
उजाले का तारा	शुक्र ग्रह
उट्ठी बोलना	हार मान लेना।
उठ खड़ा होना	चलने को तैयार होना।
(दुनिया से) उठ जाना	दुनिया से चला जाना।मर जाना।उ०- जो उठि गयो बहुरि नहिं आयो मरि मरि कहां समाहीं। कबीर ।
उठ बैठ	हैरानी।दौड़ धूप।बेचैनी।उठने बैठने की कसरत।बैठक।
उठ बैठना	लेटा न रहना।जाग पड़ना।
उठती कोंपल	नवयुवक।गभरू।
उठती जवानी	युवावस्था का आरम्भ। उभरती हुई जवानी।

उठती परती — जोत का एक भेद जिसमें किसानों को केवल उन खेतों का लगान देना पड़ता है जिनको वे उस वर्ष जोतते हैं और परती खेतों का कुछ नहीं देना पड़ता।

उठते बैठते — प्रत्येक अवस्था में।हर घड़ी।प्रति क्षण।

।मेल-जोल।

नेवाला।निकम्मा।

न छोड़ना।

ी।बेचैनी।उठने बैठने की

कसर छोड़ना।

ोर से बुरा होना।

होना।नक्कू बनना।

आना।फटपट आना।

रि व्यास कह ठाकुर काही

ाही। रघुराज। इतनी

किसी को खबर न हो।

30- करी खेचरी सिद्ध

ारि।बाहिर जनु मदमत्त

ढारि। व्यास।

र खाना।अप्रिय लगना।न

नय है वैसास।जानत हौं

करो जी लाख।मृग मद

रि मल्या लाख।जरति

नायो तनु जरि ह्वै ह्वै

स योग पठावत साहु की

धो की बतियां उड़ि

दास।

उठा धरना - बंद जाना।

उठा न रखना - बाकी न रखना। कसर न छोड़ना।

उठा बैठी - हैरानी। दौड़ धूप। बेकली। बेचैनी। उठने बैठने की कसरत। बैठक।

उठा रखना - छोड़ना, बाकी रखना। तुमने हमें तंग करने के लिए कोई बात उठा नहीं रखी। कसर छोड़ना।

उड़ उड़ होना - दुरदुर होना। चारों ओर से बुरा होना। बदनाम होना। नक्कू बनना।

३१४

दुरदुराना - तिरस्कारपूर्वक दूर करना। अपमान के साथ भगाना।

उड़ चलना — तेज दौड़ना। सरपट भागना। शोभित होना। फबना। कुमार्ग ग्रहण करना। घमंड करना। इतराना।

उड़ चलना — तेज दौड़ना। सरपट भागना। शोभित होना। अत्यधिक खिलना। भला लगना। अच्छा लगना। फबना। मजेदार होना। स्वादिष्ट बनाना। कुमार्ग स्वीकार करना। इतराना। मर्यादा को छोड़ पृथक चलना। बढ़ कर चलना। घमंड करना।

उड़ता बनना — भाग जाना। चलता होना। चल देना।

उड़ता होना — भाग जाना। चलता होना। चल देना।

उड़ती खबर — वह खबर जिसकी सच्चाई का निश्चय न हो। बाजारू खबर।

उड़ती चिड़िया पहचानना — अपना कार्य आप करना। जीविका प्राप्त करना।

उड़ने लगना — चकमा देने लगना। सशक्त और सबल होना। अपना कार्य करने के योग्य हो चलना।

उड़ान पर्दा — बैलगाड़ी का पर्दा। वह पर्दा जो बैलगाड़ी पर डाला जाता है।

उड़ान फल — वह फल जिसके खाने से उड़ने की शक्ति उत्पन्न हो। उ०- वह उड़ान फर तहिंअह खाए। जब भा पंखि पांख तन पाए। जायसी।

उड़ान भरना — बहुत ऊपर या दूर तक उड़ना या दौड़ना।

उड़ान मारना — बहाना करना। बातों में टालना।

उतरंकर — निम्न श्रेणी का। नीचे दरजे का। घटिया।

उतर पड़ना — किसी काम में तनमनसे लगना।

उतार चढ़ाव बताना — ऊंचा नीचा समझाना। धोखा देना। लाभ हानि बताना।

उदूंर करना — ~~इतना मारना कि बदन में दाग पड़ जाय।~~ बहुत मारना।

उथल पुथल मचाना — गड़बड़ी होना। मचाना। करना।

उथल पुथल होना — गड़बड़ी होना।

उदय से अस्त तक — पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक। सारी पृथ्वी में। आदि से अंत तक।

उदर जिलाना — पेट पालना। पेट भरना। खाना। उ०- मांगत बार बार शेष ग्वालन को पाऊं। आप लियो कछु जानि भक्त करि उदर जिवाऊं। सूर।

उदर भरना — पेट भरना। खाना। उ०- हरि हरि हरि सुमिरन करो। हरि चरणारविंद उर धरो। ---भिक्षा वृत्ति उदर नित भरौ। निशि दिन हरि हरि सुमिरन करौ। सूर।

उधार खाना	कर्ज़ पर गुजर करना।
उधार खाये बैठना	किसी अपने अनुकूल होने वाली बात के लिए अत्यन्त उत्सुक रहना। किसी बात पर तुल जाना। किसी भारी आसरे पर दिन काटते रहना। किसी की मृत्यु के आसरे में रहना। ~~किसी का नाश चाहना।~~ हर समय तैयार रहना।
उधेड़कर रख देना	कच्चा चिट्ठा खोल देना। सब दोष बुराई उघट देना।
उनका होना	अलभ्य, अदृश्या हो जाना।
उन्नीस बिस्वे	अधिकतर। अधिकांश। प्राय:।
उन्नीस बीस का फर्क	बहुत ही थोड़ा अन्तर।
उन्नीस बीस होना	मात्रा में कुछ कम होना। कम-वेश होना। ~~आपत्ति आना। बुरी घटना का होना। ऐसी वैसी बात होना। भला बुरा होना।~~ तुलना में एक का दूसरे से कुछ हो बुरा/अच्छा होना।
उन्नीस होना	मात्रा में कुछ कम होना। थोड़ा घटना। गुण में घटकर होना।
उपज की लेना	मज़ा लेना। आनंद करना। नई उक्ति निकालना।
उफ़ न करना	पीड़ा पी जाना। मुंह से आह तक न निकालना।
उबटना खेलना	मुसलमानों में विवाह की एक रस्म जिसमें लोग गले मिलते हैं।
उभारा लेना	किसी बीमारी का फिर फिर होना।
उमड़ना घुमड़ना	घूम घूमकर फैलना।
उम्मीद बर आना	इच्छा पूरी होना। अभीष्ट सिद्ध होना।
उम्मीद से होना	गर्भवती होना।
उम्मीद होना	सन्तान की आशा होना। गर्भ के लक्षण दिखाई देना।
उम्र का पैमाना भर जाना	आयु का अन्त होने जाना। मृत्यु निकट आना।

उम्र का प्याला भर जाना	आयु का अन्त हो जाना। मृत्यु निकट आना।
उम्र टेरना	किसी तरह जिन्दगी के दिन पूरे करना। किसी तरह दिन काटना।
उर आनना	छाती से लगाना। आलिंगन करना। उ०- (क) ताप सरसानी, देखे अति अकुलानी, जउ पति उर आनी, तऊ सेज में बिलानी जात। पद्माकर। (ख) दिन दस गये बालि पहं जाई। पूछेहु कुशल सखा उर लाई। तुलसी। मन में लाना। ध्यान करना। विचारना। उ०- उर आनहु रघुपति प्रभुताई। तुलसी। सोचना।
उर धरना	मन में रखना। ध्यान में रखना। ध्यान करना। उ०- बंदि चरण उर धरि प्रभुताई। अंगद चले सबहिं सिर नाई। तुलसी।
उर लाना	छाती से लगाना। सोचना। ध्यान करना। मन में लाना।
उरद के आटे की तरह ऐंठना	बिगड़ना। नाराज होना। घमंड करना। इतराना। ठसक दिखाना।
उरद पर सफेदी	बहुत कम मात्रा। नाम मात्र को। दाल में नमक।
उलझन में डालना	झंझट में फंसाना। बखेड़े में डालना।
उलझन में पड़ना	फेर में पड़ना। चक्कर में पड़ना। आगा पीछा करना।
उलझना उलझाना	बात बात में दखल देना।
उलझना पुलझना	अच्छी तरह फंसना। उ०- ब्राह्मण गुरू हैं जगत के करम भरम का खाहिं। उलझि पुलझि के मरि गये चारिउ वेदन माहिं। कबीर।
उलझना सुलझना -	फंसना और छुलना। उ०- जो सुरन को दुःख देत है देत कर्म झकझोर। उरझे सुरझे आप ही ध्वजा पवन के जोर। सभा० वि०।
उलझा सुलझा	टेढ़ा सीधा। भला बुरा।
उलट पड़ना	एकाएक आक्रमण कर बैठना।
उलटा जमाना	वह समय जब भली बात बुरी समझी जाय। अंधेर का समय।

उलटा तवा — अत्यन्त काला। काला कलूटा।

उलटा घड़ा बांधना — और का और करना। मामले को फेर देना। ऐसी युक्ति रचना कि विरुद्ध चाल चलनेवाले की चाल का बुरा फल घूमकर उसी पर पड़े।

उलटा पाठ पढ़ाना — कुछ का कुछ समझा देना। वास्तविक के विरुद्ध विश्वास करा देना। बहका देना।

उलटा फिरना — तुरन्त लौट पड़ना। बिना प्राण भर ठहरे पलटना। चलते चलते घूम पड़ना।

उलटा लटकना — किसी वस्तु के लिए प्राण देने पर उतारू होना

उलटा लौटना — तुरन्त लौट पड़ना। बिना प्राण भर ठहरे पलटना। चलते चलते घूम पड़ना।

उलटा सीधा — बिना क्रम का। बंडबंड। बेसिर पैर का। बिना ठीक ठिकाने का। अव्यवस्थित। भला बुरा।

उलटा हाथ — बायां हाथ।

उलटी खोपड़ी का — औंधी समझ का। जड़। मूर्ख।

उलटी गंगा बहना — अनहोनी या नियम विरुद्ध बात होना।

उलटी गंगा बहाना — जो कभी न हुआ हो उसको करना। रीति विरुद्ध चलना। उलटी रीति चलाना।

उलटी टांगें गले पड़ना — अपनी चाल से आप खराब होना। आपत्ति मोल लेना। लेने के देने पड़ना। अपनी बात से आप ही कायल होना।

उलटी माला फेरना — मारण या उच्चाटन के लिए जाप करना। बुरा मनाना। अहित चाहना। कोसना।

उलटी पट्टी पढ़ाना — टेढ़ी सीधी समझाना। और की और सुझाना। भ्रम में डालना। बहकाना।

उलटी सांस चलना — ~~सांस का जल्दी जल्दी बाहर निकलना। दम~~ दम उखड़ना। ~~सांस का पेट में समाना।~~ मरने का लक्षण दिखाई देना। रुक रुक कर सांस चलना (मरने के समय)।

ऊंट निगल जायं, दुम से हिचकियां — बड़ी बड़ी कर जाना और छोटी में अटकना।

ऊंट मक्के को ही भागता है	हर चीज अपने असल उद्गम की ओर ही जाती है।
ऊखल में सिर देना	झंझट या जोखिम के काम में पड़ना।
ऊधो का लेना न माधो का देना	किसी से कुछ सम्बन्ध नहीं। किसी के लेने देने में नहीं। लगाव बझाव से अलग।
ऊपर ऊपर	बाला बाला। अलग अलग। निराले निराले। बिना और किसी के जताये। चुपके से।
ऊपर ऊपर जाना	लक्ष्य से बाहर जाना। निष्फल होना। व्यर्थ जाना। कुछ प्रभाव न उत्पन्न करना।
ऊपर का दम भरना	ऊंची सांस चलना। उखड़ी सांस चलना। घर्रा चलना।
ऊपर की आमदनी	वह प्राप्ति जो वेतन के अतिरिक्त हो।
ऊपर की दोनों जाना	दोनों आंखें फूटना। उ०- ऊपर की दोनों गईं हिय की गई हेराय। कह कबीर चारिहुं गईं तासो कहा बसाय। कबीर।
ऊपर छार पड़ना	मर जाना। उ०- जौ लहि ऊपर छार न परै। तौलहि यह तृष्णा नहिं मरै। जायसी।
ऊपर टूट पड़ना	धावा करना। आक्रमण करना।
ऊपर तले	ऊपर नीचे। एक के पीछे एक। आगे पीछे। लगातार। क्रमशः।
ऊपर तले के	आगे पीछे होने वाले। तरपरिया।
ऊपर लेना	जिम्मे लेना। हाथ में लेना। किसी कार्य का भार लेना। सिर या कन्धे पर रखना। भार ग्रहण करना।
ऊपरवाला	ईश्वर। अधिकारी। ऊंचे दर्जे का। भृत्य। सेवक। नौकर। काम करनेवाला। अपरिचित। बिना जाना बूझा आदमी। बाहरी आदमी।

ऊपरवालियां	चीलें।चुड़ैलें।परियां।
ऊपर से	बुलन्दी से। ऊंचे से।इसके अतिरिक्त।सिवा इसके।वेतन से अधिक।घूस।ऊपर की आय। भेंट।असाधारण आय।प्रत्यक्ष में।दिखाने के लिए।जाहिरी तौर पर।
ऊपर से चला जाना	कुचल कर चले जाना।रौंदते हुए जाना।
ऊपर से देखने पर	जो रूप दिखाई देता हो,उसके विचार से।
ऊपर से नीचे तक	सब भागों में।सर्वत्र।सर्वांग में।सिर से पैर तक।
ऊपर होना	बढ़ जाना।आगे निकल जाना।बढ़ कर होना। श्रेष्ठ होना।प्रधान होना।मुख्य होना।
ऋण उतरना	कर्ज अदा होना।
ऋण उतारना	कर्ज अदा करना।
ऋण चढ़ना	कर्ज होना।
ऋण चढ़ाना	जिम्मे रुपया निकलना।
ऋण पटना	धीरे धीरे करके कर्ज का रुपया अदा होना।
ऋण पटाना	धीरे धीरे करके उधार लिया हुआ रूपया चुकता करना।
ऋण मढ़ना	ऋण चढ़ाना।देनदार बनाना।

उलटी सांस लेना	जल्दी जल्दी सांस खींचना। मरने के निकट होना। मरने के समय रोगी का बड़े कष्ट से सांस लेना। सांस उखड़ना। गहरी या ठंढी सांस लेना।
उलटी सीधी हांकना	लम्बी चौड़ी बातें करना। बे सिर पैर की बातें करना।
उलटी सीधी सुनना	भला बुरा सहना। गाली खाना।
उलटी सीधी सुनाना	खरी खोटी सुनाना। भला बुरा कहना। फटकारना।
उलटी हवा बहना	उलटी रीति चलना। गलत रास्ते पर चलना।
उलटे कांटे तौलना	कम तौलना। डांड़ी मारना।
उलटे छुरे से मूंड़ना	उल्लू बनाकर काम निकालना। बेवकूफ बनाकर लूटना। फंसना। उल्लू बनाकर पैसा ऐंठना।
उलटे पांव फिरना	तुरन्त लौट पड़ना। बिना क्षण भर ठहरे पलटना। वापिस चल देना। ~~चलते घूम पड़ना~~।
उलटे पांव लौटाना	तुरन्त लौटाना।
उलटे मुंह गिरना	दूसरे की हानि करने के प्रयत्न में स्वयं हानि उठाना। दूसरे को नीचा दिखाने के ~~स्थान पर~~ बदले स्वयं नीचा देखना। धोखा खाकर बुरी तरह विफल होना।
उलटे हाथ का दांव	बाएं हाथ का खेल। बहुत ही सहल काम का होना बताना।
उलथा मारना	कलाबाजी करते हुए (पानी में) कूदना, करवट बदलना।
उल्लू का गोश्त खिलाना	बेवकूफ बनाना। मूर्ख बनाना। दाव पेच से वश में कर लेना।
उल्लू का पट्ठा	निपट मूर्ख।
उल्लू बनना	जुए आदि में ~~[illegible]~~ हारकर निराश होना।
उल्लू बनाना	मूर्ख बनाना। ठगना। धोखा देना।
उल्लू बोलना	उजाड़ होना। उजड़ जाना। वीरान होना।
उल्लू सीधा करना	स्वार्थ सिद्ध करना। मतलब गांठना।

To check
Analogy?
Origin?
क्या है?

ऊंचा नीचा	ऊबड़ खाबड़।जो समथल न हो।भला बुरा।हानि लाभ।
ऊंचा नीचा दिखाना	हानि लाभ बतलाना।उलटा सीधा समझाना।बहकाना।
ऊंचा नीचा न सोचना	परिणाम का विचार न करना। भला बुरा न विचारना।
ऊंचा नीचा समझना	हानि लाभ विचारना।उ०- बड़ा हुआ तो क्या हुआ बढ़ गया जैसे बांस।ऊंच नीच समझे नहीं किया.बंस का नास।
ऊंचा नीचा समझाना	हानि लाभ बतलाना।उलटा सीधा समझाना।बहकाना।
ऊंचा नीचा सुझाना	हानि लाभ बतलाना। उलटा सीधा समझाना। बहकाना।
ऊंचा नीचा सोचना	हानि लाभ विचारना।उ०- बड़ा हुआ तो क्या हुआ बढ़ गया जैसे बांस।ऊंच नीच समझे नहीं किया बंस का नास।
ऊंचा नीचा सुनाना	खोटी खरी सुनाना।भला बुरा कहना।फटकारना।
(किसी को)ऊंचा पीढ़ा देना	किसी को ऊंचे आसन या पद पर बैठाना। सम्मानित करना।
ऊंचा सुनना	केवल जोर की आवाज सुनना।कम सुनना।अर्ध-बधिर होना।
ऊंचा सुनाई देना	जोर की आवाज सुनाई देना।कम सुनाई पड़ना।
ऊंचा सुनाई पड़ना	जोर की आवाज सुनाई देना पड़ना। कम सुनाई पड़ना।
ऊंची दुकान फीका पकवान	नाम के अनुरूप काम,गुण आदि न होना।
ऊंची नीची सुनाना	खोटी खरी सुनाना।भला बुरा कहना।फटकारना।
ऊंची सांस	लम्बी सांस।दुःख भरी सांस।
ऊंचे नीचे पैर पड़ना	व्यभिचार में फंसना।बुरे काम में प्रवृत्त होना।चूक होना। ~~स्त्री का पथभ्रष्ट होना।~~
ऊंचे नीचे पैर रखना	कुमार्ग पर चलना। बुरा काम करना।
ऊंचे बोल का बोल नीचा	घमंडी का सिर नीचा।
ऊंचे बोल बोलना	घमंड की बातें करना।
ऊंट किस करवट बैठता है	देखिये,मामले का क्या नतीजा होता है ?
ऊंट की चोरी और नीचे नीचे (झुके- झुके)	न छिपनेवालीबात को छिपाने की कोशिश।
ऊंट के गले में बिल्ली	बेमेल।असंगत बात।
ऊंट के मुंह में जीरा	अधिक खानेवाले या आवश्यकतावाले को थोड़ी सी चीज देना।

एंड़ी बेड़ी सुनाना	भला बुरा कहना। फटकारना।
एक अंक	पक्की बात। निश्चय। ~~निश्चय ही।~~
एक अनार सौ बीमार	चीज थोड़ी और चाहनेवाले बहुत।
एक आंक	पक्की बात। निश्चय। ~~निश्चय ही।~~
एक आंख न आना	तनिक भी अच्छा न लगना। बिलकुल नापसन्द होना।
एक आंख न भाना	तनिक भी अच्छा न लगना। बिलकुल नापसन्द होना।
एक आंख से सबको देखना	समान भाव रखना। एक ही तरह का ~~बर्ताव~~ करना। एक सा मानना। एक सा व्यवहार करना।
एक एक करके	एक के पीछे दूसरा। धीरे धीरे। क्रम से।
एक एक के दस-दस करना	खूब लाभ कमाना।
एक एक के दो-दो करना	काम बढ़ाना। व्यर्थ समय खोना। दिन काटना।
एक ओर	किनारे। दाहिने या बाएं।
एक ओर एक ग्यारह करना	मिलकर शक्ति बढ़ाना।
एक ओर एक ग्यारह ~~होते हैं~~	कई आदमियों के मिलने से शक्ति ~~बढ़ती है।~~
एक करना	किसी की ~~अपनी सी~~ दशा करना। मारना और मर जाना। समस्त उपाय कर डालना।
एक कलम	बिलकुल। सब।
एक की चार लगाना	बढ़ा चढ़ाकर कहना। शिकायत करना। अपनी ओर से बातें जोड़ मिलाकर कहना। भड़काना।
एक की दवा दो	एक को दबाने, हराने के लिए दो बहुत होते हैं।
एक के दस सुनाना	एक कड़ी बात के बदले दस कड़ी बातें सुनाना।
एक चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	एक आदमी के किये वह काम नहीं हो सकता जो कई आदमियों के मिलकर करने का हो।
एक चने की दाल	एक रूप या ढंग से। लगातार।

एक पाल से	एक रूप या ढंग से।लगातार।
एक जान	सब मिला हुआ जुला।जो मिलकर एक रूप हो गया हो।
एक जान दो क़ालिब	बहुत गहरे दोस्त।अभिन्न हृदय होना।
एक जान हजार गम	एक आदमी को अगणित चिन्ताएं,रंज होना।
एक जान हजार मुसीबतें	एक आदमी को अगणित चिन्ताएं,रंज होना।
एक टक	बिना आंख की पलक मारे हुए।अनिमेष।स्थिर दृष्टि से।नजर गड़ाकर।उ०- (क) सगुन सनेह मोद मन बाढ़ा।भरतहिं चितवत एकटक ठाढ़ा। तुलसी । (ख) भरत विमल जस विमल विधु सुमति चकोर कुमारि।उदित विमल जन हृदय नभ एकटक रही निहारि। तुलसी ।
एक टक आशा देखना	लगातार बाट जोहना।
एक टक आशा लगाना	लगातार बहुत दिनों से आसरा बंधा रहना। उ०- जन्म ते एकटक लागि आशा रही विषय विष खात नहिं तृप्ति मानी। सूर ।
एक टांग फिरना	बराबर घूमा करना।बैठकर दम भी न लेना।
एक तरफ़	किनारे।दाहिने या बाएं।
एक तवे की रोटी,क्या मोटी और क्या छोटी	एक कुल,घराने के सब आदमी बराबर हैं, कोई बड़ा-छोटा नहीं।
एक तौ	पहले तो।पहली बात तो यह है कि।
एक थैली के चट्टे बट्टे	दोनों एक से हैं,दोनों में कोई वास्तविक अन्तर नहीं।
एक दम	बिना रुके।एक क्रम से।फौरन।उसी समय।एक-बारगी।एक साथ।बिलकुल।नितान्त।जहाज में यह वाक्य कह कर उस समय चिल्लाते हैं जब बहुत से जहाजियों को एक साथ किसी काम में लगाना होता है।

एक दिल	खूब मिला जुला।जो मिलकर एक रूप हो गया हो।एक ही विचार का।अभिन्न हृदय।
एक दीवार रूपया	हजार रूपया।
एक दूसरे का।की।पर।में।से	परस्पर।
एक (रीति) न जाना	ढंग न जाना।
एक न चलना	कोई युक्ति सफल न होना। सारे प्रयत्न विफल होना।
एक न लाना	कोई उपाय न लगना।
एक न शुद दो शुद	एक बला थी ही,दूसरी और आ पड़ी।एक कष्ट या विपत्ति के रहते दूसरी का आ जाना।
एक पंथ दो काज	एक यत्न,उपाय से दो कार्य सिद्ध होना।एक काम करते हुए दूसरा हो जाना।
एक पछ के खाने वाले	परस्पर घनिष्ट सामाजिक सम्बन्ध रखनेवाले। परस्पर रोटी बेटी का व्यवहार करनेवाले। अत्यन्त स्वगींय या सजातीय।
एक पांव भीतर एक पांव बाहर	काम की भीड़ या परेशानी से एक जगह ठहर न सकना,कभी यहां कभी वहां आते जाते रहना।
एक पांव रिकाब में होना	यात्रा के लिए हर समय तैयार रहना।आज यहां कल वहां जाते रहना।
एक पांव से खड़े रहना	आज्ञापालन के लिए तैयार रहना।आज्ञा की प्रतीक्षा में खड़ा रहना।ताबेदारी बजाना।
एक पास	पास पास।एक ही जगह।निकट।उ०- (क) रवी सार दोनों एक-पासा।होय जुग जुग आवहि कैलासा। जायसी । (ख) जलधर वृंद जाल अंतरगत।सिमिट होत एक पासा। ।तुलसी ।
एक पेट के	सहोदर।एक ही मां से उत्पन्न (भाई)।

एक-ब-एक	अकस्मात्।अचानक।एक बारगी।
एक बात	दृढ़ प्रतिज्ञा।ठीक बात।सच्ची बात।
एक मामला	कई आदमियों में परस्पर इतना मेल कि किसी एक का किया हुआ दूसरों को स्वीकार हो।
एक मुंह से कहना	एक मत होकर कहना।एक स्वर से कहना।
एक मुंह से बोलना	एक मत होकर बोलना।एक स्वर से बोलना।
एक मुश्त	एक साथ।एक बारगी।इकट्ठा (रुपये पैसे के सम्बन्ध में)।
एक रोयां न उखड़ना	कुछ भी हानि न होना।
एक लख्त	एक दम।एक बारगी।
एक लाठी से सबको हांकना	सबके साथ एक सा व्यवहार करना।भले-बुरे का विचार न करना।
एक समान	एक सा।एक जैसा।
एक सा	समान।बराबर।
एक साथ	एक सिलसिले में।
एक से एक	एक से एक बढ़कर।उ०- एक ते एक महा रनधीरा। तुलसी ।
एक से इक्कीस होना	बढ़ना।उन्नति करना।फलना फूलना।
एक स्वर से (कहना या बोलना)	एक मत होकर कहना।
एक से दो होना — ब्याह होना।	
एक हत्या करना	एकाधिकार,इजारा कायम कर लेना।
एक हाथ से ताली नहीं बजती	बैर या प्रीति एक ओर से नहीं होती।
एक ही आँक	दृढ़ बात। पक्की बात। निश्चय।
एक ही टाट के	एक ही बिरादरी के।एक साथ उठने बैठनेवाले। एक ही मंडली के।एक ही दल के।एक ही विचार के।
एक ही थैली के चट्टे बट्टे	एक ही गुट के मनुष्य।एक ही स्वभाव और

रुचि के लोग।एक ही मेल के आदमी।एक ही विचार के लोग।एक जैसे।

एक होना — मिलना जुलना।मेल करना। ~~मेल-कराना~~ तद्रूप होना। मिल जाना। गोल बनाना। एकदल कर जाना। गुटबंदी करना। एक रूप होना।

एकतरफा डिगरी — ~~वह व्यवस्था जो प्रतिवादी का उत्तर बिना सुने ही दी जाय~~। एक पक्ष में निर्णय। वह डिगरी जो मुदालेह के हाजिर न होने के कारण मुद्दई को प्राप्त हो। दूसरे पक्ष के अनुपस्थित हो जाने पर

एकताक — समान।बराबर।भेद रहित।उ०- सकल संग हरि जेंवत छाक।प्रेम सहित मैया दै पठयौ सबै बनाए है एकताक। सूर ।

एकतार — एक ही नाम का।एक ही रूप रंग का।समान। बराबर।समभाव से।लगातार।उ०- (क) आकिंचन इंद्रिय दमन रमन राम एकतार। तुलसी ऐसे संत जन बिरले या संसार। तुलसी । (ख) का जानौं कब होयगा हरि सुमिरन एकतार।का जानौं कब छांड़िहै यह मन विषय विकार। दादू ।

एकत्र करना — बटोरना।संग्रह करना।

एकत्र होना — जमा होना।इकट्ठा होना।जुड़ना।जुटना।

एकादशी मनाना — निराहार रहना।
एकादशी होना — आहार न मिलना।

एड़ करना — एड़ लगाना।~~चलना~~ देना।रवाना होना। चल देना। एड़ का प्रयोग करना।

एड़ देना — ~~छाल मारना~~।घोड़े को आगे बढ़ाने के लिए एड़ ~~लगाना~~ देमारना।उसकाना।उत्तेजित करना।बाधा डालना। चलते हुए काम में घोड़े को आगे बढ़ाना।

एड़ लगाना — घोड़े को आगे बढ़ाने के लिए एड़ मारना। उसकाना। उत्तेजित करना। बाधा डालना।

एडबेड बकना — अंडबंड बोलना। बेसिर पैर की बातें करना।

एड़ी घिसना — एड़ी को मल मलकर धोना। उ.- गुरजन दौनाति एड़ी घसति हसति ... नीर। बिहारी। घिसना। बहुत दिनों से क्लेश या बीमारी में पड़े रहना। बहुत कष्ट भोगना। श्रम, दौड़-धूप करना।

एड़ी रगड़ना — बहुत दिनों से क्लेश या बीमारी में पड़े रहना। कष्ट उठाना।

~~एड़ी चाटना~~ ?? भी एक मुहावरा है ? परिभाषित करें?

"चलते हुए काम में बाधा डालना" का पुनर्विचार ... History ...

PL. Check करें

एड़ी चोटी का पसीना एक करना — बहुत परिश्रम, प्रयास करना।

एड़ी से चोटी तक — सिर से पैर तक। आदि से अन्त तक।

(किसी का) एतबार उठना — (किसी के ऊपर से) लोगों का विश्वास हटना।

एतबार खोना — अपने ऊपर से लोगों का विश्वास हटाना।

एतबार जमना — विश्वास उत्पन्न होना।

एहसान जताना — अपने उपकारों की चर्चा करना। (किसी को) अपने एहसानों की याद दिलाना।

ऐ

ऐंड़ा ऐंड़ा डोलना — इतराया फिरना। घमंड में फूलकर घूमना। उ०- जिन पै कृपा करी नंद नंदन सो ऐंड़ी काहे नहिं डोलैं। सूर।

ऐंड़ा ऐंड़ा फिरना — इतराया फिरना। घमंड में फूलकर घूमना।

ऐब करने को हुनर चाहिए — दोष करने (छिपाने) के लिए गुण की अपेक्षा है।

ऐब निकालना — दोष दिखाना (किसी वस्तु में)।

ऐरा गैरा नत्थू खैरा — जिसकी कोई हैसियत न हो। तुच्छ। नगण्य जन।

ऐरा गैरा पंचकल्याणी — ऐरा गैरा आदमी।

ऐसा तैसा — साधारण। तुच्छ। अदना।

ऐसा वैसा — साधारण। तुच्छ। अदना।

ऐसी तैसी में जाना — भाड़ में जाना। चूल्हे में जाना। नष्ट होना।

ऐसे ऐसे नाखूनों में पड़े हैं — ऐसे ऐसे बहुत देखे भाले हैं। ऐसों की गिनती नहीं।

ओंठ उखाड़ना	परती खेत को पहले पहल जोतना।
ओंठ काटना	क्रोध और दुःख से ओंठों को दांतों के नीचे दबाना। क्रोध और दुःख प्रगट करना।
ओंठ चबाना	~~क्रोध और दुःख से ओंठों को दांतों के नीचे दबाना।~~ क्रोध और दुःख प्रगट करना।
ओंठ चाटना	किसी वस्तु को खा चुकने पर स्वाद की लालच से ओंठों पर जीभ फेरना। ~~स्वाद की लालसा रह जाना।~~
ओंठ चूसना	अधर का चुम्बन करना।
ओंठ ~~पड़पड़ाना~~	ओंठ पर खुश्की के कारण चमड़े की सूखी तह बंध जाना।
ओंठ फटना	खुश्की के कारण ~~ओंठों का फट जाना~~
ओंठ फड़कना	क्रोध के कारण ~~ओंठों का फड़कना।~~
ओंठ मलना	कड़ुई बात कहने वाले को दण्ड देना। मुंह ~~मसलना~~
ओंठ हिलना	मुंह से शब्द निकलना।
ओंठ हिलाना	मुंह से शब्द निकालना।
ओंठों पर	जबान पर। कुछ कुछ स्मरण आने के कारण मुंह से निकलने पर। वाणी द्वारा स्फुरित होने के निकट। प्रकट होने के निकट।
ओंठों पर मुसकराहट आना	चेहरे पर हंसी देख पड़ना।
ओंठों पर मुसकराहट दिखाई देना	चेहरे पर हंसी देख पड़ना।
ओंठों पर हंसी आना	चेहरे पर हंसी देख पड़ना।
ओंठों पर हंसी दिखाई पड़ना	चेहरे पर हंसी देख पड़ना।
ओंठों में कहना	धीमे और अस्पष्ट स्वर में कहना। मुंह से शब्द न निकलना।
ओंठों में मुसकराना	बहुत थोड़ा हंसना। ऐसा हंसना कि बहुत प्रगट न हो।

ओखली में सिर देना	अपनी इच्छा से किसी झंझट में पड़ना। कष्ट सहने पर उतारू होना।
ओट में	बहाने से।हीले से।
ओढ़ना उतारना	अपमानित करना।इज्जत उतारना।
ओढ़ना ओढ़ाना	विधवा स्त्री के साथ सगाई करना।
ओढ़ना ओढ़ूं की बिछाऊं ?	किसी काम में लाऊं।किस काम की है ?
ओढ़ना गले में डालना	बांधकर न्यायकर्ता के पास ले जाना।अपराधी बनाकर रखना।
ओढ़ना बिछौना बना लेना	हर समय काम में लाना।लापरवाही से बरतना,
ओढ़नी बदलना	दुपट्टा बदलना।बहन का सम्बन्ध स्थापित करना। सहेली बनाना।
ओढ़ें या बिछावें	क्या करें ?किस काम में लावें ? उ०- दुःसह वचन हमैं नहिं भावें।जोग कथा ओढ़ें कि बिछावें। सूर ।
ओढ़ा पड़ना	अप्राप्य होना।अकाल पड़ना।मिटना।
ओना लगना	तालाब में इतना पानी भरना कि ओने की राह से बाहर निकल चले।
ओर आना	नाश का समय आना।उ०- हंसता ठाकुर, खांसता चोर।इन दोनों का आया ओर।
ओर निबाहना	अन्त तक अपना कर्तव्य पूरा करना।उ०- (क) पुरुष गंभीर न बोलहिं काहू।जो बोलहिं तो ओर निबाहू। जायसी । (ख) प्रणतपाल पालहिं सब काहू।देहु दुहूं दिसि ओर निबाहू।तुलसी।
ओर निभाना	अन्त तक अपना कर्तव्य पूरा करना।किसी की अन्त तक सहायता आदि करते रहना ।
ओलती तले का भूत	पास रहनेवाला आदमी जो घर के सब भेद जानता हो।

ओली ओड़ना - आंचल फैलाकर कुछ मांगना । विनयपूर्वक कोई प्रार्थना करना । विनती करना । झोली न हो तो ...... हरि पायँ परो अरु ओलियो ओड़ो । केशव । झोली । खेत की उपज करने का एक ढंग ।

पृष्ठ-१०५ अध्याय:

ओली ओड़ना — आंचल फैलाकर कुछ मांगना। विनय पूर्वक कोई प्रार्थना करना। विनती करना। उ०- (क) ऐंठ सों ऐंड़ाय जनि अंचल उड़ात ओली ओड़त हौं काहू की जु डीठि लगि जायगी। केशव। (ख) एक ही जैये सब छोड़ि। हौं जु कहत हौं ओली ओड़ि। केशव। (ग) ओली न हौं वे बोलाय रहे हरि पायं परे वह ओलियाँ ~~जोड़ी~~ ओड़ी। केशव।

ओली लेना — ~~गोद~~ गोद लेना। दत्तक बनाना।

ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती — थोड़ी सी वस्तु से बड़ी आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो सकती।

ओस पड़ना — कुम्हलाना। बेरौनक हो जाना। उत्साह नष्ट हो जाना। उदासी छाना। ठंढा हो जाना। लज्जित होना। शरमाना।

ओस का मोती — शीघ्र नाशवान। जल्दी मिटनेवाला। उ०- यह संसार ओस का मोती बिखर जात इक छिन में। । कबीर ।

VVV Good ||

औंठ उठाना	परती पड़े हुए खेत को जोतना।
औंधा हो जाना	गिर पड़ना।बेसुध होना।अचेत होना।
औंधी खोपड़ी का	मूर्ख,जड़,कूढ़ मग्ज,नासमझ।उ०- कबिरा औंधी खोपड़ी,कबहू धापै नाहिं।तीन लोक की संपदा, कब आवै घर माहिं। कबीर।
औंधी बुद्धि	उलटी समझ।जड़ बुद्धि।
औंधी समझ	उलटी समझ।जड़ बुद्धि।
औंधे मुंह	मुंह के बल।नीचे मुंह किये हुए।
औंधे मुंह गिरना	मुंह के बल गिरना।बेतरह चूकना या धोखा खाना। झटपट बिना सोचे समझे किसी काम को करके दुःख उठाना।भूल करना।भ्रम में पड़ना।
औकात बसर करना	जीवन-निर्वाह करना।गुजर बसर करना।
औघट में पड़ना	संकट में पड़ना।
औझड़ मारना	वार पर वार करना।धड़ाधड़ चांटे लगाना।
औझड़ लगाना	वार पर वार करना।धड़ाधड़ चांटे लगाना।
औने-पौने करना	कमती बढ़ती दाम पर बेच डालना।जो कुछ मिले उसी पर बेच डालना।औने-पौने बेचना।
और क्या ?	हां।अवश्य।नहीं तो क्या ?
और का और	भारी उलट फेर।विशेष परिवर्तन।उ०- द्विज पतिया दे कहियो श्यामहि अब ही और की और होत कछु लागै बारा ताते मैं पाती लिखी तुम प्रान अधारा। सूर।
और तो और	दूसरों का ऐसा करना तो उतने आश्चर्य की बात नहीं।दूसरों से या दूसरों के विषय में ऐसी सम्भावना हो भी।दूसरों की बात जाने दीजिए।दूसरों की तो बात ही क्या ?
और लो,और सुनो	यह वाक्य किसी तीसरे से उस समय कहा जाता

कहा जाता है जब कोई व्यक्ति एक के उपरांत दूसरी और अधिक ही अनहोनी बात कहता है या कहनेवाले पर दोषारोपण करता है।

और ही कछु कुछ होना — सबसे निराला होना। विलक्षण होना। उ०- वह चितवनि और कछु जिहि बस होत सुजान। बिहारी। जुदा। अनूठा।

बौसान खता होना — सुधबुध भूलना। बुद्धि का चकराना। धैर्य न रहना। मतिभ्रम होना। घबरा जाना।